Two-Day State-Level Conference on ELDER WELL-BEING IN INDIA, contributing to India's Vision @ 2047

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 25-03-2025**

हकेवि में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की हुई शुरूआत

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की सोमवार 24 मार्च को शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, भारत की दृष्टि एट 2047 में योगदान विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की। कुलपति ने बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता और भारत की दृष्टि एट 2047 में उनके योगदान पर जोर दिया तथा अन्य देशों में बुजुर्गों के कल्याण की तुलना की।

दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मंचासीन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विशेषज्ञ वक्ता व शिक्षक। आज समाज

सम्मेलन की शुरूआत में विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल चंदेल ने अपने स्वागत भाषण में आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने समाज में बुजुर्गों के कल्याण के महत्व को रेखांकित किया। तत्पश्चात आयोजन के सह-संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार सिंह ने कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस) में मनोवैज्ञानिक सहायता आपदा प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषिस भद्र ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा केवल उम्र बढ़ने का परिणाम नहीं है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी संबंधित है। उद्घाटन सत्र के अंत में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

सम्मेलन में उद्घाटन सत्र में बाद आयोजित सत्रों में प्रो. सुभाषिस भद्र ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश (2013) में बुजुर्गों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं के महत्व पर किए गए शोध का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भजन, कीर्तन जैसी प्रथाएँ 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों के कल्याण में सहायक होती हैं। इसके बाद एनआईएमएचएएनएस पीएच.डी. एसोसिएट प्रो. अजय कुमार ने ह्यमाइंडफुल एजिंग का विज्ञानह्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी बाहरी कारक व्यक्ति को खुशी नहीं दे सकता। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे लोगों के लिए ध्यान प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक बौद्ध ध्यान पद्धतियों पर भी चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 25-03-2025**

बुढ़ापा केवल उम्र बढ़ने का परिणाम नहीं

भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की शुरुआत हुई।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ एवं शोधार्थी शामिल हो रहे हैं। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, भारत की दृष्टि एट 2047 में योगदान विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ने बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता और भारत की दृष्टि एट 2047 में उनके योगदान पर जोर दिया तथा अन्य देशों में बुजुर्गों के कल्याण की तुलना की।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मंचासीन कुलपति प्रो. टंकेश्वर, वक्ता व शिक्षक। स्रोत : हकेंवि

सम्मेलन की शुरुआत में विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल चंदेल ने समाज में बुजुर्गों के कल्याण के महत्व को रेखांकित किया। आयोजन के सह-संयोजक प्रो. राजीव कुमार सिंह ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान में मनोवैज्ञानिक सहायता आपदा प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषिस भद्र ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 25-03-2025**

'भजन, कीर्तन जैसी प्रथाएं बुजुर्गों के कल्याण में सहायक'

संवाद सहयोगी, जागरण● महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की सोमवार से शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, भारत की दृष्टि एट 2047 में योगदान विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है। सम्मेलन के

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मौजूद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य ● सौ: हकेंवि

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की। कुलपति ने बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता व भारत की दृष्टि एट 2047 में उनके योगदान पर जोर दिया तथा अन्य देशों में बुजुर्गों के कल्याण की तुलना की। तत्पश्चात आयोजन के सह-संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार सिंह ने कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस) में मनोवैज्ञानिक सहायता आपदा प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषिस भद्र ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा केवल उम्र बढ़ने का परिणाम नहीं है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी संबंधित है। उद्घाटन सत्र के अंत में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रदीप कुमार ने धन्यवाद किया। सम्मेलन में उद्घाटन सत्र में बाद आयोजित सत्रों में प्रो. सुभाषिस भद्र ने लखनऊ में बुजुर्गों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के महत्व पर किए शोध का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भजन, कीर्तन बुजुर्गों के कल्याण में सहायक होती हैं।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 25-03-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की हुई शुरुआत

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुजुर्गों के कल्याण विषय पर आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन सत्र के उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो टंकेश्वर कुमार, मुख्य वक्ता व शिक्षक।

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन की सोमवार 24 मार्च को शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ एवं शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, भारत की दृष्टि एट 2047 में योगदान विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की।

कुलपति ने बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता और भारत की दृष्टि एट 2047 में उनके योगदान पर जोर दिया तथा अन्य देशों में बुजुर्गों के कल्याण की तुलना की। सम्मेलन की शुरुआत में विश्वविद्यालय की मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ की अधिष्ठाता प्रो. पायल चंदेल ने अपने स्वागत भाषण में आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने समाज में बुजुर्गों के कल्याण के महत्व को रेखांकित किया। तत्पश्चात आयोजन के सह-संयोजक एवं राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार सिंह ने कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस) में मनोवैज्ञानिक सहायता आपदा प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. सुभाषिस भद्र ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा केवल उम्र बढ़ने का परिणाम नहीं है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य से भी संबंधित है। उद्घाटन सत्र के अंत में विधि विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मेलन में उद्घाटन सत्र में बाद आयोजित सत्रों में प्रो. सुभाषिस भद्र ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश (2013) में बुजुर्गों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं के महत्व पर किए गए शोध का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भजन, कीर्तन जैसी प्रथाएँ 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों के कल्याण में सहायक होती हैं। इसके बाद एनआईएमएचएएनएस पीएच. डी. एसोसिएट प्रो. अजय कुमार ने 'माइंडफुल एजिंग का विज्ञान' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी बाहरी कारक व्यक्ति को खुशी नहीं दे सकता। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे लोगों के लिए ध्यान प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक बौद्ध ध्यान पद्धतियों पर भी चर्चा की।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 26-03-2025**

हकेवि में दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का हुआ समापन

आज समाज नेटवर्क

हकेवि में आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक एवं प्रतिभागी।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर केंद्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का मंगलवार 25 मार्च को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, 2047 के परिप्रेक्ष्य में विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कुलपति ने कहा कि आयोजन में हुई चर्चा व विमर्श इस विषय पर केंद्रित नीति-निर्धारण की दिशा में सहयोगी की भूमिका निभाएगा।

सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरूआत प्रतिभागियों के द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति से हुई। शोध का मुख्य विषय बुजुर्ग व्यक्तियों की भलाई और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि संयुक्त परिवार प्रणाली को बढ़ावा देना, सामाजिक जुड़ाव और संबंधों को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि बुजुर्गों में अकेलेपन और अवसाद को कम किया जा सके। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. (सेवानिवृत्त) उमेद सिंह ने शहरीकरण और डिजिटल युग में बुजुर्ग कल्याण और सामाजिक समावेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट संयोजक प्रो. पायल चंदेल द्वारा प्रस्तुत की गई। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सामाजिक अलगाव से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समाज को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग और विधि विभाग को सफलतापूर्वक सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी। दो दिवसीय सम्मेलन का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक, प्रमाण पत्र वितरण और सह-संयोजक प्रो. राजीव सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 26-03-2025**

शोधार्थियों ने संयुक्त परिवार प्रणाली को बढ़ावा देने पर रखे सुझाव

हकेंवि में आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ, शिक्षक व प्रतिभागी। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हुए सम्मेलन में प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर केंद्रित दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का मंगलवार को समापन किया। सम्मेलन में शोधार्थियों एवं विशेषज्ञों ने संयुक्त परिवार को बढ़ावा देने पर अपने सुझाव रखे। सम्मेलन के दूसरे दिन प्रतिभागियों के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए।

शोध का मुख्य विषय बुजुर्ग व्यक्तियों की भलाई और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि संयुक्त परिवार प्रणाली को बढ़ावा देना, सामाजिक जुड़ाव और संबंधों को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि बुजुर्गों में अकेलेपन और अवसाद को कम किया जा सके।

मुख्य अतिथि प्रो. (सेवानिवृत्त) उमेद सिंह ने शहरीकरण और डिजिटल युग में बुजुर्ग कल्याण और सामाजिक समावेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों एवं शोधार्थी शामिल हुए।

भारत में बुजुर्गों का कल्याण- 2047 के परिप्रेक्ष्य में विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आयोजन में हुई चर्चा व विमर्श इस विषय पर केंद्रित नीति-निर्धारण की दिशा में सहयोगी की भूमिका निभाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 26-03-2025**

हकेवि में दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का हुआ समापन

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बुजुर्गों के कल्याण पर केंद्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन मंगलवार 25 मार्च को संपन्न हुआ। मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान और विधि विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विशेषज्ञों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

'भारत में बुजुर्गों का कल्याण, 2047 के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर केंद्रित इस राष्ट्रीय सम्मेलन को सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रायोजित किया। समापन सत्र में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह आयोजन बुजुर्गों के कल्याण से जुड़ी नीतियों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में हुई चर्चा नीति-निर्धारण में सहायक होगी।

दूसरे दिन की शुरुआत शोध पत्रों की प्रस्तुति से हुई। शोध का मुख्य विषय बुजुर्गों की भलाई और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि संयुक्त परिवार प्रणाली को बढ़ावा देना चाहिए। सामाजिक जुड़ाव और संबंधों को मजबूत करने

से बुजुर्गों में अकेलापन और अवसाद कम होगा।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. (सेवानिवृत्त) उमेद सिंह ने शहरीकरण व डिजिटल युग में बुजुर्गों के कल्याण और सामाजिक समावेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट संयोजक प्रो. पायल चंदेल ने प्रस्तुत की। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य व सामाजिक अलगाव की समस्याओं से निपटने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों को बधाई दी। सम्मेलन का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक, प्रमाण पत्र और सह-संयोजक प्रो. राजीव सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-03-2025**

हकेंवि में राज्य स्तरीय सम्मेलन का हुआ समापन

संस, जागरण ● महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर केंद्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का मंगलवार को समापन हो गया। विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। भारत में बुजुर्गों का कल्याण, 2047 के परिप्रेक्ष्य में विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। कुलपति ने कहा कि आयोजन से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Gurgaon Today **Date: 26-03-2025**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राज्यस्तरीय सम्मेलन का हुआ समापन

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारत में बुजुर्गों के कल्याण पर केंद्रित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का मंगलवार 25 मार्च को समापन हो गया।विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग व विधि विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ, प्रतिभागी एवं शिक्षक।

भारत में बुजुर्गों का कल्याण, 2047 के परिप्रेक्ष्य में विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन सामाजिक रक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। कुलपति ने कहा कि आयोजन में हुई चर्चा व विमर्श इस विषय पर केंद्रित नीति-निर्धारण की दिशा में सहयोगी की भूमिका निभाएगा।

सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों के द्वारा शोध पत्रों की प्रस्तुति से हुई। शोध का मुख्य विषय बुजुर्ग व्यक्तियों की भलाई और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि संयुक्त परिवार प्रणाली को बढ़ावा देना, सामाजिक जुड़ाव और संबंधों को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि बुजुर्गों में अकेलेपन और अवसाद को कम किया जा सके।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. (सेवानिवृत्त) उमेद सिंह ने शहरीकरण और डिजिटल युग में बुजुर्ग कल्याण और सामाजिक समावेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट संयोजक प्रो. पायल चंदेल द्वारा प्रस्तुत की गई।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सामाजिक अलगाव से निपटने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समाज को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने मनोविज्ञान विभाग, राजनीति विज्ञान विभाग और विधि विभाग को सफलतापूर्वक सेमिनार आयोजित करने के लिए बधाई दी। दो दिवसीय सम्मेलन का समापन प्रतिभागियों के फीडबैक, प्रमाण पत्र वितरण और सह-संयोजक प्रो. राजीव सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।